हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 186 देहरादून, बृहस्पतिवार, 12 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

समय रहते जागते तो आज जोशीमठ की ये हालत न होती : यशपाल आर्य 3

सारा काम, मीटिंग मुलाकात छोड़ सीएम धामी पहुंचे जोशीमठ, प्रभावितों से की वार्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 11 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ पहुंचते ही सचिव मुख्यमंत्री आर. मीनाक्षी सुंदरम से राहत एवं भू-धसाव से उत्पन्न स्थिति की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री हेलीपैड से सीधे भू-धसाव से प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के लिये निकले तथा भू-धसाव से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने प्रभावितों को विश्वास दिलाया कि इस संकट के समय केंद्र व राज्य सरकार संजीदगी के साथ उनके साथ खड़ी है। इस स्थिति का सामना करने के लिये उनकी अपेक्षाओं का पूरा सम्मान किया जायेगा। भू-धसाव से प्रभावित लोगों से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें कम्बल भी वितरित किये।

जोशीमठ में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जोशीमठ में चिन्हित भू-धसाव से प्रभावित क्षेत्रों के सभी भवनों नहीं अभी सिर्फ दो होटल्स तोड़े जाएंगे वह भी सभी की सहमति से इसके साथ ही राहत एवं पुनर्वास के लिए यहां पर कमेटी बना दी है सारे नाम उसमें सम्मिलित कर दिए हैं सभी प्रमुख वर्गों के लोगों को उसमें सम्मिलित करके आगे की कार्रवाई की जाएगी राहत एवं पुनर्वास ठीक तरीके से हो यह हमारी प्राथमिकता है अंतरिम राहत की हम ने घोषणा की है जल्दी-जल्दी हम चाहेंगे कि सभी तक अंतरिम राहत पहुंचे जिससे लोगों को फौरी रूप से राहत मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके आज सुबह से ही अन्य जगह भी कार्यक्रम लगे थे लेकिन उन्हें लगा कि इस संकट की घड़ी में उन्हें जोशीमठ में अपने भू-धसाव से प्रभावित भाई बहनों के साथ रहना चाहिए और वे यहां आ गये हैं, इस संकट की घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस संकट के समय हमारे साथ खड़े हैं और मॉनिटरिंग कर रहे हैं तथा सहायता भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि यहां पर भू-धसाव के कारण जितना नुकसान हुआ है वह हो चुका है और आगे सब ठीक हो जाएगा। आने वाले समय में यहां पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन होना है और कुछ समय बाद चार धाम यात्रा भी शुरू होनी है, इसलिए इस प्रकार का वातावरण न बनाया जाये कि पूरा उत्तराखंड खतरे में आ गया है, क्षेत्र का विकास तेजी से हो रहा है हमारी कोशिश रहेगी कि इकोलॉजी और इकोनॉमी दोनों का संतुलन बनाकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाय।

उन्होंने कहा कि जोशीमठ के साथ-साथ उत्तराखंड के अन्य शहरों की धारण क्षमता का भी हम आंकलन करवाएंगे अगर उनमें क्षमता से ज्यादा निर्माण हो चुका हो तो उसको धीमा कराने का कार्य किया जायेगा। मारवाड़ी स्थित जेपी कॉलोनी के समीप जहां पानी का रिसाव हो रहा है उसका स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि आज पानी आधे से भी कम हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में हम प्रभावितों के साथ खड़े हैं इसमें कहीं किसी को भी किसी प्रकार का संदेह नहीं होना चाहिए कि सरकार उनके साथ नहीं खड़ी है पूरी सरकार उनके साथ खड़ी है माननीय प्रधानमंत्री जी का भी संपूर्ण आश्वासन है हमारी जो भी अपेक्षाएं हैं उन अपेक्षाओं के अनुरूप उनके पुनर्वास और सेटलमेंट के लिए काम कर रहे हैं, प्रधानमंत्री जी भी स्वयं और उनका कार्यालय भी लगातार इस बात की चिंता कर रहा है और लगातार अपडेट ले रहे हैं।

जोशीमठ में भू-धंसाव से प्रभावितों को बाजार रेट पर मुआवजा दिया जाएगा : मुख्यमंत्री

प्रभावित परिवारों को तात्कालिक तौर पर दी जा रही है 1.5 लाख रूपये की अंतरिम सहायता

- 3 हजार परिवारों को दी जा रही है कुल 45 करोड़ रूपये की तात्कालिक सहायता
- मुख्यमंत्री ने की अपील जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र में मकानों के ध्वस्तीकरण किये जाने की अफवाह पर ध्यान न दें
- मकानों के ध्वस्तीकरण की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है
- प्रभावितों के विस्थापन के लिए उनके सुझावों के आधार पर इतनी बेहतर व्यवस्था की जाएगी कि यह देश के लिए नजीर बने
- प्रभावित क्षेत्र में तात्कालिक आवश्यकताओं हेतु 01 लाख रूपये अग्रिम एवं प्रभावितों को सामान ढुलाई हेतु 50 हजार रूपये की धनराशि दी गई
- प्रभावित क्षेत्र में खर्चे का पूरा आकलन कर दी जाएगी सहायता राशि

देहरादून, 11 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नगरपालिका क्षेत्र जोशीमठ के भू-स्खलन एवं भू- धसाव प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावितों को बाजार रेट पर मुआवजा दिया जायेगा। बाजार की दर हितधारकों के सुझाव लेकर और जनहित में जारी की जाएगी। 03 हजार प्रभावित परिवारों को कुल 45 करोड़ रूपये की धनराशि जारी की गई है। तात्कालिक तौर पर प्रति परिवार 1.50 लाख रूपये की अंतरिम सहायता दी जा रही है।

प्रभावित क्षेत्र में भूधसाव के कारण प्रभावित भू-भवन स्वामियों/परिवारों को स्थाई अध्यासन विस्थापन नीति तैयार होने से पूर्व 01 लाख रूपये की अग्रिम धनराशि दी गई है। प्रभावित भू-भवन स्वामियों / परिवारों को अपने भवन के सामान की ढुलाई एवं तात्कालिक आवश्यकताओं हेतु गैर समायोजय एकमुश्त विशेष ग्रान्ट के रूप में 50 हजार रूपये की धनराशि दी गई है। यह धनराशि उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्राधिकरण द्वारा जारी की गई। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में कुल खर्चे का पूरा आकलन कर सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जोशीमठ में आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु अपने एक माह का वेतन दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में जिन मकानों में दरारें आयी हैं, उन मकानों को ध्वस्त करने की अफवाह फैलाई जा रही है। उन्होंने सभी से अपील की है कि इन अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रभावित क्षेत्र में दरार वाले मकानों को ध्वस्त करने की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्र में दरार वाले मकानों को तब तक ध्वस्त न कराया जाय, जब तक अपरिहार्य न हो। मुख्यमंत्री जोशीमठ प्रभावित क्षेत्र की सभी व्यवस्थाओं की अधिकारियों से नियमित रिपोर्ट ले रहे हैं। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि जोशीमठ क्षेत्र में प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी हर समस्याओं का शीघ्रता से निदान किया जाय।

सुरक्षा की दृष्टि से जिन परिवारों को अन्यत्र स्थानों पर शिफ्ट कराया जा रहा है उनको वहां सभी बेहतर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाय।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रभावितों के विस्थापन के लिए उनके सुझावों के आधार पर इतनी बेहतर व्यवस्था की जाय कि यह पूरे देश के लिए नजीर बने। उन्होंने कहा कि प्रभावितों के इस दुःख-दर्द में सरकार द्वारा उनको हर सम्भव सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र में शासन के उच्चाधिकारी क्षेत्र में प्रभावितों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। सचिव मुख्यमंत्री श्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम मौके पर प्रशासन के अधिकारियों के साथ सभी व्यवस्थाओं को देख रहे हैं। जोशीमठ के भू-स्खलन एवं भू- धसाव प्रभावित क्षेत्र में भूगर्भीय तथा अन्य आवश्यक जांचें संबंधित संस्थाओं द्वारा की जा रही है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की टीम भी मौके पर मौजूद है।

क्या है उत्तरायण, क्यों मनाया जाता है पर्व ? ये है पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , जब सूर्य धनु से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है तो पूरे देश में मकर संक्रांति (Makar Sankranti 2023) का पर्व मनाया जाता है। इस बार ये पर्व 15 जनवरी, रविवार को मनाया जाएगा। भारत के अलग-अलग प्रदेशों में ये पर्व विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। गुजरात में इसे उत्तरायण कहा जाता है। उत्तरायण को धर्म ग्रंथों में बहुत ही शुभ माना गया है। न्यूज़ वायरस पर आइये जानिए क्या है उत्तरायण का अर्थ इसका महत्व...

क्या है उत्तरायण ?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य हर 30-31 दिन में राशि बदलता है। इस तरह ये 365 दिन में एक राशि क्रम पूरा करता है, इसे सूर्य वर्ष भी कहते हैं। जब सूर्य मकर से मिथुन राशि में रहता है तो इस समय ये पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध की ओर गति करता है (भारत उत्तरी गोलार्द्ध में है)। जब सूर्य कर्क से धनु राशि में रहता है तो इस स्थिति को दक्षिणायन कहते हैं। उत्तरायण के दौरान दिन बड़े और रातें छोटी होती हैं जबकि दक्षिणायन में दिन छोटे और रातें बड़ी होती हैं।

सूर्य को उत्तरी गोलार्ध की ओर आना क्यों खास ?

हमारे पूर्वज जानते थे कि पृथ्वी उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में बंटी हुई है और हम पृथ्वी के जिस क्षेत्र में रहते हैं वो उत्तरी गोलार्ध के अंतर्गत आता है। जब सूर्य उत्तरी गोलार्ध में रहता है तो दिन बड़े होने लगते हैं कि सूर्य का प्रकाश अधिक मात्रा में हमें प्राप्त होता है। इसी प्रकाश से फसलें पकती हैं और समुद्र का पानी भाप बनकर उड़ता है जो बारिश में हमें पुनः प्राप्त होता है। इन्हीं कारणों से सूर्य का उत्तरी गोलार्ध में आना बहुत शुभ माना जाता है।

उत्तरायण को कहते हैं देवताओं का दिन

धर्म ग्रंथों में उत्तरायण को बहुत ही शुभ माना गया है। उत्तरायण को देवताओं का दिन और दक्षिणायण को देवताओं की रात कहते हैं। लाइफ मैनेजमेंट के दृष्टिकोण से देखा जाए तो उत्तरायण पॉजिटिविटी का प्रतीक है। इस समय सूर्य की रोशनी अधिक समय तक पृथ्वी पर रहती है। मकर संक्रांति पर सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना जाता है। इसलिए इस दिन सूर्यदेव की पूजा विशेष रूप से की जाती है।

भीष्म पितामाह ने भी किया था उत्तरायण का इंतजार

महाभारत के अनुसार, जिस समय कुरुक्षेत्र में पांडवों का युद्ध हुआ, उस समय सूर्य दक्षिणायण था। जब युद्ध समाप्त हो गया और युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हो गया, तब सभी पांडवों तीरों पर लेटे भीष्म पितामाह के पास गए। भीष्म ने पांडवों को ज्ञान की कई बातें बताई और सूर्य के उत्तरायण होने के इंतजार करने लगे। सूर्य के उत्तरायण होते ही उन्होंने अपने प्राणों का त्याग कर दिया।

आजकल खेती क्यों कर रहे हैं क्रिकेट के मास्टर ब्लास्टर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , क्रिकेट में जब भी किसी दिग्गज खिलाड़ी का नाम लिया जाता है तो उसमें सबसे पहला जिक्र मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का होता है, जो रिटायरमेंट के बाद भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं और मुंबई इंडियंस की कमान संभाले हैं। इस बीच सचिन अपने रिटायरमेंट को खूब इंजॉय भी कर रहे हैं और अपने फ्री टाइम में घर पर फ्रेश फल और सब्जियां उगा रहे हैं। जिसका वीडियो हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। जिसमें वह पालक, मूली और कई तरह की सब्जियां तोड़ते नजर आ रहे हैं। आइए आपको दिखाते हैं सचिन का यह वीडियो...

घर पर माली बने सचिन

सचिन तेंदुलकर सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहते और आए दिन अपने फोटो से वीडियो शेयर करते रहते हैं। इस बीच उन्होंने अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसमें वह क्रिकेट खेलते नहीं बल्कि अपने घर के आंगन में सब्जियां तोड़ते नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सब्जियां उन्होंने खुद उगाई है। इसके साथ ही उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए मजेदार कैप्शन भी लिखा कि इन सब्जियों के नाम इस्तेमाल करके आप कितने वाक्य बना सकते हैं? मैंने बनाया- उम्मीद है कि भारतीय बल्लेबाज दूसरी टीमों के गेंदबाजों का भरता बनाते रहें।

सचिन ने दिए फार्मिंग टिप्स

इतना ही नहीं इस वीडियो में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर अपने फैंस को उन्नत खेती के टिप्स भी देते नजर आ रहे हैं। जिसमें वह बता रहे हैं कि उन्होंने अपने आंगन में बैंगन, मूली पालक और कई तरह की भाजी या लगाई हुई है और इनके पकने के बाद वह इन्हें तोड़कर घर ले जा रहे हैं और इससे मजेदार सब्जियां बनाने वाले हैं।

दौलत गंवाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड, जानिए किसने कितनी संपत्ति खोई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने बताया कि एलन मस्क ने इतिहास में व्यक्तिगत संपत्ति के सबसे बड़े नुकसान का विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है। एक ब्लॉग पोस्ट में GWR ने फोर्ब्स के अनुमान का हवाला दिया कि एलन मस्क को नवंबर 2021 से लगभग 182 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। यानी अब मस्क का नाम गिनीज बुक में दर्ज होगा। लेकिन अन्य स्रोतों से पता चलता है कि यह आंकड़ा 200 बिलियन डॉलर के करीब है। GWR ने अपने ब्लॉग में लिखा है, "सटीक आंकड़े का पता लगाना लगभग असंभव है एलन मस्क का कुल घाटा वर्ष 2000 में जापानी टेक निवेशक मासायोशी सोन द्वारा निर्धारित 58.6 बिलियन डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया है।"

रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क की नेटवर्थ नवंबर 2021 में 320 बिलियन डॉलर से गिरकर जनवरी 2023 में 137 बिलियन डॉलर हो गई। मस्क की संपत्ति में गिरावट का मुख्य कारण टेस्ला के स्टॉक का खराब प्रदर्शन है। मस्क ने 7 बिलियन डॉलर के टेस्ला के स्टॉक बेचे हैं क्योंकि वह नवंबर में ट्विटर खरीदने के लिए फाइनेंस की कोशिश में थे। पिछले महीने उन्होंने 3.58 बिलियन डॉलर के स्टॉक बेचे थे। अप्रैल से अब तक उन्होंने कुल 23 बिलियन डॉलर से अधिक के स्टॉक बेच चुके हैं। एलन मस्क के लगभग 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर को खरीदने के बाद अक्टूबर में उनकी संपत्ति में गिरावट तेज हो गई। ट्विटर डील के बाद मस्क ने तेजी से टेस्ला के स्टॉक भी बेचें। वर्तमान में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट हैं। उनकी अनुमानित कुल संपत्ति $190 बिलियन है।

इस बीच गिनीज ने कहा है कि मासायोशी सोन की संपत्ति में गिरावट का कारण उनकी कंपनी सॉफ्टबैंक के डॉट कॉम क्रेश के कारण हुआ था। फरवरी 2000 में उनकी संपत्ति 78 बिलियन डॉलर थी जो उसी वर्ष जुलाई में गिरकर 19.4 बिलियन डॉलर हो गई। इसके बाद उनकी फर्म ने कई अमेरिकी और ब्रिटिश टेक कंपनियों का अधिग्रहण किया, जिससे उनकी संपत्ति फिर बढ़ गई। गिनीज ब्लॉग पोस्ट में कहा गया है, "जैसा कि एलन मस्क ने अपना खुद का तकनीकी समूह बनाना जारी रखा है, भविष्य में किसी भी समय उनकी संपत्ति में वृद्धि हुई तो हमें आश्चर्य नहीं होगा।"

समय रहते जागते तो आज जोशीमठ की ये हालत न होती : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 जनवरी। उत्तराखंड के नेता विपक्ष और प्रदेश की राजनीती के अनुभवी लीडर यशपाल आर्य ने कई अहम मुद्दे उठाते हुए सीएम धामी को सलाह , सुझाव और डिमांड दी है। उनका कहना है कि उत्तराखण्ड के सीमांत पर बसे ऐतिहासिक-सांस्कृतिक-पर्यटक नगर जोशीमठ के अस्तित्व के लिये और अपने जीवन व भविष्य के प्रति आशंकित लोगों का संघर्ष जारी है । एनटीपीसी और सरकार का बार-बार कहना है कि परियोजना की सुरंग जोशीमठ से दूर है । हमारा सवाल है कि बाईपास सुरंग कहां है ? उसकी स्थिति जोशीमठ के नीचे ही है और वह विस्फोटों के जरिये ही बनी है । पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य कहते हैं क़ी लोगों को आशंका है कि उसमें कुछ दिन पहले तक लगातार विस्फोट किये जा रहे थे जो जोशीमठ में आज हो रहे भू धंसाव का मुख्य कारण हैं । शेष कारणों ने इस प्रक्रिया को तीव्र करने में योगदान किया है । अब जब जोशीमठ के अधिकांश घरों में दरारें आ चुकी हैं और कुछ भूगर्भ वैज्ञानिकों ने भी जनता की ही तरह, बड़ी आपदा की आशंका व्यक्त की है, तब अपना जीवन, सम्पत्ति व भविष्य की सुरक्षा की चिंता ने जनता को पुनः सड़कों पर ला दिया है । यदि सरकार व प्रशासन समय रहते जनता की सुन लेते और कार्यवाही करते तो यह नौबत नहीं आती ।

यशपाल आर्य द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए प्रमुख बिंदु पर डालते हैं एक नज़र - :

1.जोशीमठ नगर को बचाने हेतु जोशीमठ त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाये।2.एनटीपीसी की परियोजना पर पूर्ण रोक की प्रक्रिया प्रारंभ हो 3.हेलंग-मारवाड़ी बाईपास पूर्णतया बन्द हो ।4.एनटीपीसी को पूर्व में हुए 2010 के समझौते को लागू करने को कहा जाय, जिससे घर-मकानों का बीमा करने की बात प्रमुख है । 5.जोशीमठ के समयबद्ध विस्थापन, पुनर्वास एवं स्थायीकरण के लिये,जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति को शामिल करते हुए एक अधिकार प्राप्त उच्च स्तरीय कमेटी का गठन हो ।6.जोशीमठ में पीड़ितों की तत्काल आवास भोजन व अन्य सहायता हेतु एक समन्वय समिति बने जिसमें स्थानीय प्रतिनिधियों को शामिल किया जाय ।लोगों के घर मकानों का आंकलन करते हुए मुआवजा व उनके स्थाई पुनर्वास की प्रक्रिया तुरन्त प्रारंभ की जाए ।

राज्य सरकार इस आपदा की घड़ी में विशाल ह्रदय से ,मानवीय दृष्टिकोण से पीड़ित जनता के हित मे सबको साथ लेकर चलते हुए कार्य करे । उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि सिर्फ प्रशासनिक मशीनरी के भरोसे, इस बड़ी आपदा से नहीं निपटा जा सकता । पूर्व की आपदाओं का भी यही सबक है । मुख्य विपक्षी दल के नाते हम कंधे से कंधा मिलाकर चलने और सहयोग करने का प्रस्ताव पुनः दोहराते हैं । इस नगर के व इसके निवासियों के भविष्य के मद्देनजर उत्तराखंड सरकार शीघ्र कार्यवाही करे

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में 27 मेधावी छात्रों को मिला स्वर्ण पदक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 जनवरी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह का शुभारंभ कुलाधिपति/राज्यपाल ले0 जनरल गुरमीत सिंह व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रूप से वर्चुअल माध्यम से किया। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत और केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट मौजूद रहे।

इस वर्ष का कुलाधिपति स्वर्ण पदक वनस्पति विज्ञान की अनिता जोशी को दिया गया। 27 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक दिए गए। इसके साथ ही मैती आंदोलन के जनक पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, जौनसार कला संस्कृति के लिए श्री नंद लाल भारती और लोक गायन के लिए पद्मश्री बसंती देवी को डी लिट् मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। साथ ही विश्विद्यालय के 01 छात्र को पी एच डी, 716 को स्नातकोत्तर व 10932 छात्रों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गयी। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट एवं उच्च शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत ने संयुक्त रूप से विश्विद्यालय में लगभग 25 करोड़ की लागत से बने 5 भवनों का लोकार्पण भी किया।

दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग करते हुए कुलाधिपति ने उपाधि धारक शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में खुशहाली लेकर आती है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिभा, संकल्प और परिश्रम का बड़ा योगदान होता है। दूरस्थ शिक्षा में तो संकल्प और परिश्रम का और भी अधिक महत्व होता है। राज्यपाल ने उपस्थित शिक्षार्थियों से कहा कि आप सभी को अमृतकाल के इन 25 वर्षों में विकसित भारत का नेतृत्व करना है। यह अमृतकाल प्रत्येक भारतीय के लिए महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में शोध एवं अनुसंधान की अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए आप सभी शोध के प्रति उत्साही बनें एवं नवीन खोज करते रहें। रोजगार की समस्या, पलायन की समस्या को यहां उपलब्ध अपार संसाधनों के जरिए अवसर और उपलब्धियों में बदला जाए। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नए अवसर हेतु अपना सहयोग करें। राज्यपाल ने छात्रों से कहा

कि स्थानीय लोगों की क्षमताओं को ध्यान में रखकर कार्य योजना और प्रोजैक्ट विकसित किए जाएं जिससे उनको लाभ मिले।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में वर्चुअल रूप से प्रतिभाग करते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के माध्यम से उच्च कोटि का व्यक्तित्व निर्माण करने में उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की अन्तर्निहित क्षमता एवं उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय को अपने पहले ही प्रयास में नैक द्वारा मूल्यांकन में बी ग्रेड प्राप्त हुआ वहीं दिव्यांगों के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिये राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। यह उपलब्धियां विश्वविद्यालय के कुशल नेतृत्व और शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्मिकों के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जो विद्यार्थी आज यहा से दीक्षा ले रहे हैं, अब वे जिस भी कार्य क्षेत्र में जायेंगे उस क्षेत्र में अपनी प्रतिभाओं से समाज को नेतृत्व प्रदान करेंगे।

जकार्ता की राह पर है जोशीमठ का वजूद !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 जनवरी। भारत के जोशीमठ की खबरों को सुनकर लोग सोच रहे होंगे कि ये अनोखा शहर है जिसे प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है पर ऐसा नहीं है। दुनिया में एक ऐसा भी शहर है जिसकी आबादी एक करोड़ से ज्यादा है और वह इतनी तेजी से धरती में समा रहा है कि आने वाले कुछ समय में पूरी तरह से जमीनी दल-दल के अंदर होगा। इसके बाद समुद्र इसे अपने आगोश में ले लेगा। हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया की राजधानी और सबसे बड़े शहर जकार्ता के बारे में, जहां आने वाला भविष्य निश्चित ही संकट में है। वैज्ञानिक बताते हैं कि उत्तरी जकार्ता में हर साल 25 सेंटीमीटर की दर से जमीन नीचे धंस रही है। इसकी वजह से मकान क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और नदियों व समुद्र का पानी शहर को डुबाने लगा है। समुद्र का पानी तेजी से आने पर यहां बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। सबसे बड़ी समस्या ये है कि जमीन धंसने से पानी वही ठहर जाता है, जिसने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है।

अब बात करते हैं आदि जगतगुरु शंकराचार्य की तपोभूमि और कत्यूरी राजाओं की राजधानी रहा जोशीमठ की जो आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। सातवीं शताब्दी के उत्तराखंड का प्राचीन नगर जोशीमठ भू-धंसाव की चपेट में है। यहां के लोग दहशत में हैं। न उनका घर है और न ठिकाना। इस डरावने मंजर में यहां के लोगों को न भूख लग रही है न प्यास और न ही नींद आ रही है। उन्हें केवल अपने जीवन को बचाने के लिए सुरक्षित जमीन और छत चाहिए।कुछ महीने पहले जो जोशीमठ बाहरी पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की आवाजाही के कारण गुलजार रहता था, आज यह अजीब सी खामोशी ओढ़े हुए है जिसमें केवल सिसकियां ही सुनाई दे रही हैं। जानकारों का कहना है आधा जोशीमठ असुरक्षित है और इसके लिए वे विकास की खातिर बड़ी परियोजनाओं को जिम्मेदार ठहराते हैं। अब इन परियोजनाओं पर काम रोक दिया गया है। गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक हजार से ज्यादा भवन ढहने की स्थिति में हैं। विशेषज्ञों की अगुआई में बनी कमेटियों ने विकास को खतरे की घंटी ठहराने वाली कई रिपोर्ट दीं थीं, लेकिन सरकारों के कानों पर जू तक नहीं रेंगी।अध्यात्म के जरिए आत्म शांति का संदेश देने वाला जोशीमठ आज खुद अशांत है। यहां के घर हों या मंदिर या सरकारी अधिष्ठान या व्यापारिक प्रतिष्ठान सभी भू-धंसाव की जद में हैं। 2500 साल पहले आदि जगतगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित ज्योतिष मठ और नरसिंह मंदिर में भी दरारें पड़ चुकी हैं। एक मंदिर ढह चुका है। 14 जनवरी मकर संक्रांति के बाद जोशीमठ के कई परिवारों ने उत्तरायणी में शुभ कार्य जनेऊ, मुंडन और विवाह करवाने की तैयारी कर रखी थी। जोशीमठ के दौरे पर गए विशेषज्ञों के दल का जोशीमठ की महिलाओं ने घेराव किया था और उन्हें अपने खेत-खलिहान-मकान दिखाए और कहा कि उन्हें ऐसा विकास नहीं चाहिए जो हमारा विनाश करें। रोते हुए एक वृद्ध महिला ने कहा कि ऐसे विकास का क्या फायदा जो जिंदगी के अंतिम मुहाने पर बैठे बुजुर्गों के लिए मौत से भी बदतर हो और इतिहास ये कहे कि देवभूमि में एक था जोशीमठ।

पैन कार्ड में बदलना है नाम चुटकियों में घर बैठे होगा काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , भारतीय नागरिकों के लिए पैन कार्ड कितना जरूरी दस्तावेज ये तो हम सभी बहुत अच्छे से जानते हैं !। बैंक खाता खोलने या वित्तीय लेनदेन से लेकर आईटीआर दाखिल करने तक, पैन एक बहुत ही आवश्यक दस्तावेज है। कई बार लोग पैन कार्ड बनवाते समय उसमें नाम गलत लिख देते हैं या शादी के बाद महिलाएं अपना नाम बदलवाती हैं। अगर आपके पैन कार्ड में कोई गलत जानकारी चली गई है या आप पैन कार्ड में अपना नाम बदलवाना चाहते हैं तो आप इसे ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं। पैन कार्ड में नाम बदलने की प्रक्रिया अब काफी आसान है।

ऐसे अपडेट करें नाम

सबसे पहले एनएसडीएल की वेबसाइट https://www.onlineservices.nsdl.com/paam/endUserRegisterContact.html पर लॉगिन करें।

इसके बाद ऊपर बाईं ओर 'Application Type' पर जाएं और ड्रॉप डाउन से 'Changes or Correction in existing PAN Data / Reprint of PAN Card' का विकल्प चुनें।

इसके बाद पैन कार्ड की कैटेगरी चुनकर एप्लिकेशन मेनू पर जाएं और यहां अपना नाम, जन्म तिथि, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर और मौजूदा पैन नंबर भरें।इसके बाद केप्चा कोट डालकर 'सबमिट' विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद पेमेंट का ऑप्शन दिया जाएगा।पैन सुधार के लिए आपको 96 रुपये (85 रुपये आवेदन शुल्क और 12.36 फीसदी सर्विस टैक्स) का भुगतान करना होगा।शुल्क का भुगतान करने के बाद, आवेदक को बैंक रेफरेंस नंबर और ट्रांजेक्शन नंबर प्राप्त होगा।दोनों को सेव करें और 'जारी रखें' विकल्प पर क्लिक करें।अब 'Aadhaar card' के नीचे वाले बॉक्स में 'Authenticate' विकल्प पर क्लिक करें।

'continue with e-sign' पर क्लिक करें और ई-केवाईसी के बाद ओटीपी जनरेट करें। (आधार पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा)इसके बाद ओटीपी दर्ज करें और सबमिट करें।फॉर्म जमा करने के बाद, एक नए टैब में पीडीएफ के रूप में आपका फॉर्म खुलेगा।इसे डाउनलोड करके प्रिंट करें और NSDL e-Gov ऑफिस बिल्डिंग-1, 409-410, चौथी मंजिल, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, पिनः 110001 पर आधार और केवाईसी जैसे अन्य दस्तावेजों के साथ भेज दें।

किसी भी प्रकार की आपदा के लिए एसडीआरएफ अलर्ट : मणिकांत मिश्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 11 जनवरी , पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल और कमांडेंट एसडीआरएफ मणिकांत मिश्रा द्वारा कोतवाली जोशीमठ में जोशीमठ क्षेत्र में हो रहे भू धँसाव के दृष्टिगत लगे फ़ोर्स जिला पुलिस,एसडीआरएफ,एनडीआरएफ,आईआर बी के जवानों को ब्रीफ करते हुए किसी भी प्रकार की आपदा के दृष्टिगत तैयारी हालत में रहने व पुलिस बल को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए। सभी टीमों द्वारा 09 वार्डों में भू धँसाव के कारण खतरे की जद में आये चिन्हित किए गए भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपसेनानायक एसडीआरएफ मिथिलेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक प्रमोद शाह व समस्त पुलिस बल मौजूद रहा।

प्रेरणा से प्रेरित

जोशीमठ सहायता के लिए सीएम धामी और विधायक पत्रकार उमेश कुमार की प्रेरणा से न्यूज़ वायरस भी आया आगे

जिलाधिकारी हरिद्वार विनय शंकर पांडेय, पतंजलि योगपीठ और अन्य संस्थाओं का भी मदद में अंशदान

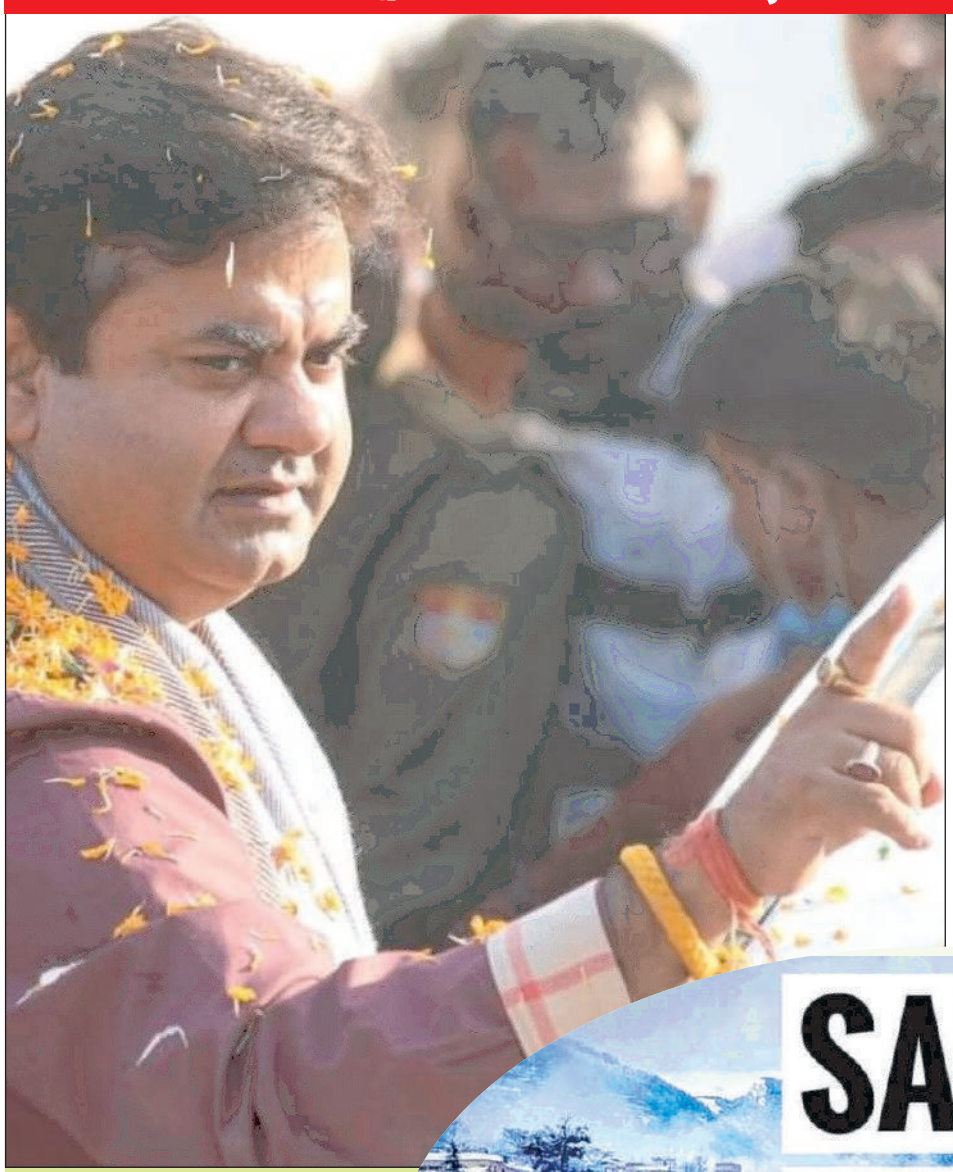

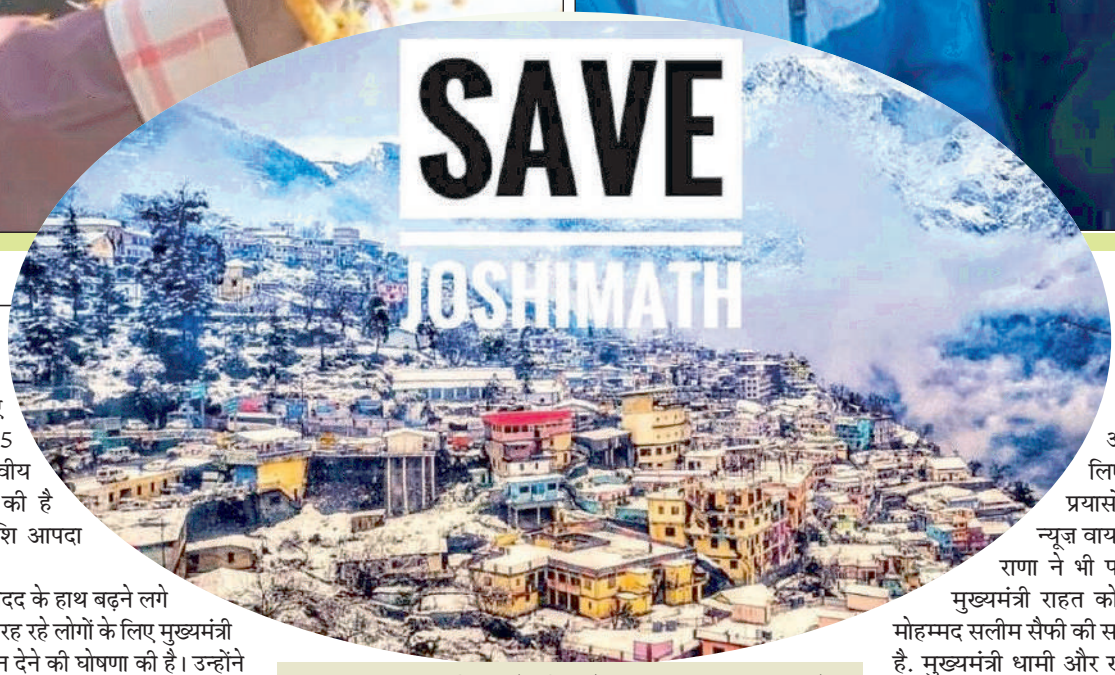

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 जनवरी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ प्रभावितों की मदद के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास जारी रखे हुए तो विधायक पत्रकार उमेश कुमार ने भी 25 लाख सहायता राशि की घोषणा करके मानवीय संवेदनाओं की एक बड़ी मिसाल पेश की है जिन्होंने अपनी विधायक निधि से ये राशि आपदा प्रभावितों के लिए समर्पित की है।

जोशीमठ आपदा प्रभावितों के लिए अब मदद के हाथ बढ़ने लगे हैं। धंसते घरों से निकल कर राहत शिविरों में रह रहे लोगों के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने एक माह का वेतन देने की घोषणा की है। उन्होंने यह धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी है। इस धनराशि का प्रयोग आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए किया जाएगा।खानपुर से विधायक पत्रकार उमेश कुमार ने भी 25 लाख सहायता राशि की घोषणा करके मानवीय संवेदनाओं की एक बड़ी मिसाल पेश की है जिन्होंने अपनी विधायक निधि से ये राशि आपदा प्रभावितों के लिए समर्पित की है।

जोशीमठ आपदा प्रभावितों के जख्म शायद ही कभी भरे जा सकें, लेकिन फिलहाल उनको इन हालात में राहत देने के लिए प्रदेश के मुखिया ने पहल की है। उन्होंने अपने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जोशीमठ प्रभावित लोगों के साथ है और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए हर संभव कदम उठाया जा रहा है।

■ पत्रकार सलीम सैफ़ी और अफज़ाल राणा ने मुख्यमंत्री राहत कोष में किया अंशदान

मुख्यमंत्री राहत कोष की धनराशि का उपयोग जोशीमठ के आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए किया जाएगा। सीएम की इस पहल के बाद अब अन्य मंत्रियों और विधायकों व वरिष्ठ पत्रकारों में भी आगे आने और प्रभावितों का सहयोग करने की संभावना भी बढ़ गई है।

जोशीमठ प्रभावितों को सहायता देने के लिए हरिद्वार जिला प्रशासन और पतंजलि योगपीठ भी सामने आई है। हरिद्वार प्रशासन ने प्रभावितों के लिए ढाई हजार कंबल और एक हजार फूड पैकेट भिजवाया है। हरिद्वार के भल्ला इंटर कॉलेज से जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने राहत सामग्री का वाहन रवाना किया। उनका कहना है कि वे लगातार चमोली डीएम के संपर्क में हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जोशीमठ आपदा में प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे है,उनके इन्ही प्रयासों मैं मोहम्मद सलीम सैफी,संपादक,दैनिक न्यूज़ वायरस व सहाफत उर्दू के प्रदेश प्रभारी अफजाल राणा ने भी पत्रकार के नाते अपना एक सूक्ष्म अंशदान मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता हेतु प्रेषित किया , मोहम्मद सलीम सैफी की सभी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों से अपील है. मुख्यमंत्री धामी और खानपुर विधायक पत्रकार उमेश कुमार की प्रेरणा पर जोशीमठ आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए आगे आएं और मुख्यमंत्री राहत कोष में ज्यादा से ज्यादा संभव आर्थिक मदद दें ताकि हम पत्रकार होने के साथ साथ अपनी मानवीय संवेदनाओं का परिचय दे सके. वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद सलीम सैफ़ी ने मुख्यमंत्री धामी और खानपुर विधायक पत्रकार उमेश कुमार के सराहनीय प्रयासों के क्रम में प्रेरित होकर सहभागिता करते हुए, जोशीमठ प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए, मुख्यमंत्री राहत कोष में,अपना अंशदान सहयोग राशि का चेक महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी को सौंपा, उनकी लोगों से भी अपील की है. कि वे भी आगे आएं और प्रभावितों के हर संभव सहयोग करें।

प्रभावित परिवारों को तत्कालिक तौर पर 1.5 लाख की धनराशि : आर.मीनाक्षी सुन्दरम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तमाम तरह की आशंकाओं और केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक के युद्धस्तर पर किये जा रहे राहत कार्यों के बीच सचिव मुख्यमंत्री आर.मीनाक्षी सुन्दरम ने एक बार फिर साफ़ किया है कि धामी सरकार और पूरा प्रशासन जोशीमठ में पीड़ित परिवारों के बेहतर और सुरक्षित जीवन को व्यवस्थित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि जोशीमठ में अभी तक दो होटल जो भूधंसाव के कारण लटक गए है उनको डिस्मेंटल करने का आदेश किया गया है क्योंकि ये होटल आसपास के भवनों के लिए भी खतरा बने हुए है। इसके अलावा अभी किसी का भी भवन नही तोडा जा रहा है।

भूधंसाव से प्रभावित भवनों का सर्वे किया जा रहा है। असुरक्षित भवनों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी विस्थापन किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों को तत्कालिक तौर पर 1.5 लाख की धनराशि अंतरिम सहायता के रूप में दी जा रही है। जिसमें 50 हजार रूपये घर शिफ्ट करने तथा 1 लाख रूपये आपदा राहत मद से एडवांस में उपलब्ध कराया जा रहा है। जो कि बाद में समायोजित किया जाएगा। सरकार लोगों को बेहतर से बेहतर सुविधा दे रही है। जो लोग किराए के घर पर जाना चाहते है उनको 6 महीने तक 4 हजार रूपये प्रतिमाह दिए जा रहज है।इससे पहले उन्होंने हितधारकों एवं स्थानीय लोगों के साथ बैठक करते हुए स्पष्ट किया कि भूधंसाव से जो भी यहां पर प्रभावित हुए है उनको मार्केट दर पर मुआवजा दिया जाएगा।

मार्केट की दर हितधारकों के सुझाव लेकर और जनहित में ही तय किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जोशीमठ नगर क्षेत्र में भू-धंसाव के कारण 723 भवनों को चिन्हित किया गया है जिनमें दरारें आयी है। सुरक्षा के दृष्टिगत आजतक 131 परिवारों के 462 लोगों को अस्थायी राहत शिविरों में विस्थापित किया है।

जल्द ही बर्फबारी का लीजिये मज़ा, बदल रहा है उत्तराखंड में मौसम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , नए साल की मायूसी के बाद पहाड़ों में सैलानियों को जल्द बर्फ़बारी का लुत्फ़ मिल सकता है। उत्तराखंड में कई दिनों के इंतज़ार के बाद मौसम ने आखिरकार करवट ले ली है। ऊंची चोटियों पर बर्फबारी के साथ साथ हल्की बारिश ने पर्यटकों ख़ुशी दोगुनी कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में तापमान तेजी से गिरा है। उत्तरकाशी के गंगोत्री-यमुनोत्री धाम सहित ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी शुरू हो गई है। जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्र में हल्के बादल छाए हुए हैं।

इधर पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में अगले कुछ दिन शीत का प्रकोप बढ़ सकता है। खासकर हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में चटख धूप खिलने से तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ था हालांकि, सुबह-शाम कंपकंपी बरकरार थी।

जनवरी के पहले सप्ताह में मौसम सामान्य बने रहने के बाद अब एक बार फिर मौसम करवट बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तराखंड में वर्षा और बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। आज से अगले तीन दिन प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक से लेकर आमतौर पर बादल छाए रह सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा के एक से दो दौर होने की संभावना है। जबकि, 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हिमपात हो सकता है। अगले दो दिन हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कोहरे से कुछ राहत रह सकती है। देहरादून में अगले तीन दिन आंशिक बादल छाने और हल्की वर्षा की संभावना है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि बड़ी संख्या में बर्फ़बारी के शौक़ीन पहाड़ों की और रुख करेंगे।

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी सितारगंज, बाजपुर का वैतन रोकने के आदेश : युगल किशोर पन्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 11 जनवरी , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने मुख्यालय क्षेत्र में निवास न करने के कारण वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी सितारगंज, बाजपुर का वैतन रोकने के आदेश देते हुए कहा कि वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मुख्यालय क्षेत्र में निवास करने से सम्बन्धित प्रमाण मिलने के बाद ही वेतन आहरित किया जाये। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सम्बन्धित क्षेत्र के उप जिलाधिकारी को बताए बिना मुख्यालय न छोड़ा जाये। जिलाधिकारी ने जनपद में मिलावटखोरों के विरूद्ध तेजी से छापेमारी करते हुए सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को संयुक्त रूप से प्रतिमाह कम से कम दो दिन मिलावटखोरी के विरूद्ध चैकिंग एवं सैम्पलिंग करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने आबकारी, स्टाम्प, खनन विभाग के अधिकारियों को बैठक में पूर्ण तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने 10-10 बड़े बकायेदारों के की सूचि उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने आगामी मासिक स्टाफ बैठकों में आरसी वसूली से सम्बन्धित बैंकर्स को भी बैठकों में उपस्थित रहने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने अपराध समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि महिला तथा बाल अपराधों प्रकरण में तहरीर देने के पश्चात अपने बयान से पलटने वाले लोगों के विरूद्ध धारा 182 के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने पुलिस प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि विवेचनाएं नियमानुसार हो तथा विवेचनाओं में कोई भी तथ्य न छूटे ताकि अपराधियों को न्यायालय से सजा कराने में आसानी हो। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को लम्बित मजिस्ट्रीयल जांच प्राथमिकता से पूरी के निर्देश दिये। उन्होने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिये कि न्यायालय में लम्बित वादों को शीघ्रता से सुनवाई करते हुए उनका निस्तारण करें। उन्होने चकबन्दी विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समयानुसार दिये गये लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करें।

उन्होने कहा कि लम्बित वादों को शीघ्रता से सुनवाई कर उनका निस्तारण करें। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए एआरटीओ काशीपुर को निर्देश दिये कि दिये गये लक्ष्यों को निर्धारित समय में भीतर वसूल करते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान जिला आबकारी अधिकारी को कड़े निर्देश जनपद के समस्त सीमाओं पर चैकिंग अभियान चलाकर अवैध तस्करी करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राज्यकर विभाग की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को कर की चोरी रोकने एवं वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि जो व्यापारी ग्राहकों को खरीदे गये सामान का पक्का बिल नही देते है ऐसे व्यापारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने खनन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध खनन, भण्डारण तथा परिवहन के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जाये। जिलाधिकारी ने खनन विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि राजस्व की बढ़ोत्तरी हेतु सख्ती से कार्यवाही की जाये ताकि अवैध खनन पर पूरी तरह से अंकुश लगने के साथ ही राजस्व की भी बढ़ोत्तरी हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिये कि फर्जी रवन्ने वाले वाहनों को सीज करते हुए सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाये। जिलाधिकारी ने खनन संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश खनन विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने जनपद में अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण को रोकने हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश पुलिस, राजस्व, खनन विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी, ओसी मनीष बिष्ट, संयुक्त निदेश डीएस जंगपांगी, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, अभय प्रताप सिंह, राकेश चन्द्र तिवारी, कौस्तुभ मिश्रा, तुषार सैनी, रविन्द्र सिंह बिष्ट, सीमा विश्वकर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, उप निदेशक खनन दिनेश कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

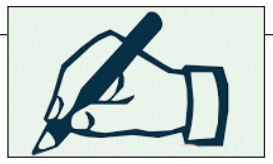

रिकॉर्ड सेवा निर्यात

वस्तुओं के बढ़ते निर्यात के साथ-साथ सेवाओं का निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है. सूचना तकनीक और दूरसंचार के क्षेत्र में बड़ी प्रगति सेवाओं के निर्यात को ठोस आधार दे रही है. वर्ष 2022 में नवंबर तक सेवा क्षेत्र का निर्यात 273.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक सर्वाधिक आंकड़ा है. बीते एक दशक में यह निर्यात बढ़कर लगभग दोगुना हो गया है. सेवाओं के निर्यात के साथ यह भी महत्वपूर्ण तथ्य जुड़ा हुआ है कि इस क्षेत्र में आयात और निर्यात का संतुलन भारत के पक्ष में है यानी हम आयात की तुलना में निर्यात अधिक कर रहे हैं. साल 2022 के पहले 11 माह में सेवा क्षेत्र में लगभग 161 अरब डॉलर का आयात हुआ था, जो निर्यात से बहुत कम है. इसके बरक्स वस्तुओं का व्यापार घाटा 250 अरब डॉलर के आसपास रहा था. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में नवंबर माह तक हुआ सेवा निर्यात 2021 के 12 माह के निर्यात से 17.03 प्रतिशत अधिक है. बीता साल अनेक कारणों से आर्थिक उथल-पुथल का रहा था तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई थी. इस कारण दुनिया में मंदी आने की आशंकाएं भी जतायी जा रही हैं. ऐसे में सेवा निर्यात का बढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक है. इस वृद्धि के महत्व को इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि दस साल पहले 2012 में सेवाओं का निर्यात 140 अरब डॉलर था. एक दशक में इस क्षेत्र में वृद्धि की औसत वार्षिक दर 6.9 प्रतिशत रही है. चूंकि इसके पीछे सूचना तकनीक और दूरसंचार क्षेत्र की बेहद अहम भूमिका है, तो यह उम्मीद की जा रही है कि सेवा निर्यात में लगातार बढ़ोतरी होगी. अनुमानों की मानें, तो 2021 और 2026 के बीच भारत में सूचना तकनीक और कारोबारी सेवाओं के बाजार की वार्षिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रहेगी. उच्च स्तरीय कौशल युक्त कार्यबल, सेवाओं का कम खर्च तथा नीतिगत सुधार इस विकास के मुख्य कारण हैं. तकनीकी और कारोबारी शिक्षा के विस्तार तथा तरह-तरह की विशेषताओं वाली स्टार्टअप कंपनियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेवा क्षेत्र के विकास को लेकर आशान्वित रहा जा सकता है. उल्लेखनीय है कि 2022 में ही स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रमुखता होने के साथ देश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज विकास तथा 5जी तकनीक के आने से भी सेवा क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलेगा.

लापरवाह नपेंगे, शानदार रिजल्ट देने वाले होंगे सम्मानित - अफसरों को एसएसपी श्वेता चौबे की दो टूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी, 11 , जनवरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने जनपद पौड़ी को Best Policing देने, लम्बित विवेचनाओं की विवेचनात्मक कार्यवाही में तेजी लाने एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु सर्किल कोटद्वार के समस्त विवेचकों की समीक्षा बैठक में कई अहम निर्देश दिए हैं। सर्किलवार समीक्षा बैठक करने का मुख्य उद्देश्य था कि बीते 6 माह से अधिक समय से लम्बित विवेचनाओं में ठोस साक्ष्य जुटाते हुए साक्ष्यों के आधार पर विवेचनाओं तथा किसी भी स्तर से प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का जल्द से जल्द निस्तारण कराया जा सके। एसएसपी श्वेता चौबे की मीटिंग का मुख्य उद्देश्य था शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराये गये अभियोगों एवं पीड़ित/शिकायतकर्ता के शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण हो और आपराधिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके, जिससे आमजनमानस के मध्य पुलिस के प्रति विश्वास की भावना बनी रहे। इसी क्रम में समस्त विवेचकों को उन्होंने ये दिशा निर्देश - समस्त विवेचक विवेचनात्मक कार्यवाही में सुधार लायें एवं 06 माह से अधिक समय से अकारण लम्बित चल रही विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण करें।लम्बित विवेचनाओं/पार्ट पैण्डिंग विवेचनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय। जिन प्रकरणों में अभियुक्तों के पते तस्दीक नहीं हो रहे हैं, उनके पते तस्तीक करने हेतु बैंकों के केवाईसी, आधार कार्ड, मोबाइल नम्बर आदि प्राप्त कर उनके माध्यम से पते तस्दीक करें। जिन अभियोगों में अभियुक्तगण गिरफ्तारी से बच रहे हैं उनके विरूद्ध मा0 न्यायालय से गैर जमानती वारण्ट प्राप्त कर तत्काल गिरफ्तारी के प्रयास करें इसके उपरान्त भी गिरफ्तारी न होने की दशा में नियमानुसार धारा-82/83 सीआरपीसी की कार्यवाही करते हुये अभियोग का विधिक निस्तारण करें।

साईबर/आई.टी. एक्ट एवं धोखाधड़ी से सम्बन्धित विवेचनाओं में साक्ष्य संकलन हेतु आधुनिकतम तरीके अपनायें। किसी भी प्रकार की मानव गुमशुदगी की सूचना प्राप्त होने के तत्काल पश्चात गुमशुदा की तलाश हेतु प्रत्येक स्तर पर ठोस सार्थक प्रयास करते हुये सकुशल बरामदगी करें।मादक पदार्थों का प्रयोग एवं खरीद फरोख्त करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध NDPS Act की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही करें एवं मादक पदार्थों के स्रोत का पता लगायें। एक से अधिक अपराधों में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करें। सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही कर उनको जिला बदर करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। गैंग बनाकर अपराध कारित करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध गैंगस्टर अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करें एवं उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पत्तियों की धारा 14 (1) के अन्तर्गत नियमानुसार जब्तीकरण की कार्यवाही करें।

वर्तमान में वांछित/ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी एवं सम्पत्ति जब्तीकरण सम्बन्धी प्रचलित अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनायें। घरेलू हिंसा/महिला उत्पीड़न/दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित अभियोगों का गुण-दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करें। महिला/बाल अपराध सम्बन्धी विवेचनाओं की मा0 न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश/गाइडलाइन्स का पालन करते हुये निर्धारित समयावधि के अन्दर सफल विधिक निस्तारण करें। अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी कोटद्वार को लम्बित विवेचनाओं एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण अपने निकट पर्यवेक्षण में कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा गोष्ठी में शेखर चन्द्र सुयाल अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार, गणेश लाल कोहली क्षेत्राधिकारी कोटद्वार, विजय सिंह प्रभारी निरीक्षक एवं सर्किल कोटद्वार के समस्त विवेचक मौजूद रहे।

कामिल बुल्के - जिन्होंने हिन्दी को बहूरानी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया

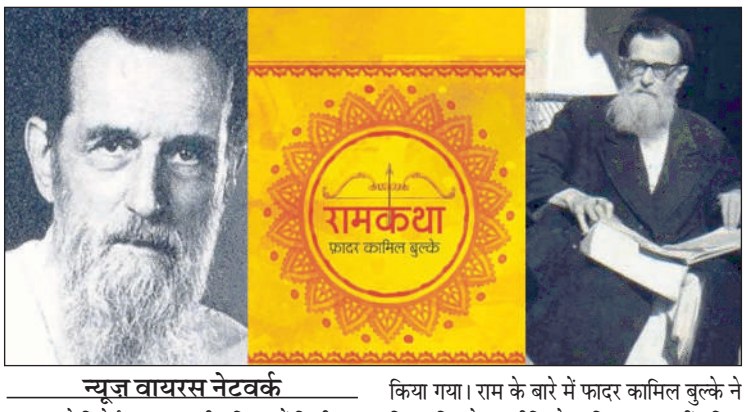

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ। उसके बाद से लगातार 'विश्व हिन्दी दिवस' 10 जनवरी को मनाया जाने लगा। इस अवसर पर हम आपको एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बता रहे हैं जो था तो विदेशी लेकिन उसने संस्कृत और हिंदी भाषा को महान बताया।उसका नाम था कामिल बुल्के , एक सितंबर 1909 को उनका जन्म हुआ था। वह बेल्जियम से भारत आये एक मिशनरी थे। वह पादरी थे और भारत ईसाई धर्म का प्रचार करने आए थे लेकिन यहां की शैली ने उनकी राम और तुलसी में आस्था जगा दी। जब वह भारत आए तो हिंदी, तुलसी और वाल्मीकि के भक्त रहे। वे कहते थे कि संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहूरानी और अंग्रेजी को नौकरानी। इन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन 1974 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। राम के बारे में फादर कामिल बुल्के ने लिखा कि वो वाल्मीकि के कल्पित पात्र नहीं बल्कि एक इतिहास पुरुष थे। उन्होंने बेल्जियम से सिविल इंजीनयरिंग की पढ़ाई की थी, फिर वो ईसाई पादरी बने।बुल्के 1934 में भारत की ओर निकले और नवंबर 1936 में भारत, बंबई (अब मुम्बई) पहुंचे। इसके बाद वह दार्जिलिंग गए और उसके बाद गुमला (वर्तमान झारखंड)। गुमला में पांच साल तक गणित पढ़ाया। वहीं पर हिंदी, ब्रजभाषा व अवधी सीखी। 1938 में, सीतागढ़/हजारीबाग में पंडित बद्रीदत्त शास्त्री से हिंदी और संस्कृत सीखी। भारत की शास्त्रीय भाषा में इनकी रुचि के कारण इन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय (1942-44) से संस्कृत में मास्टर डिग्री और आखिर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1945-49) में हिंदी साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, इस शोध का शीर्षक था राम कथा की उत्पत्ति और विकास ।1950 में वह जब रांची आए तो उन्हें सेंट जेवियर्स महाविद्यालय में हिंदी व संस्कृत का विभागाध्यक्ष बनाया गया। इसी साल उन्हें भारत की नागरिकता भी मिली और इसी वर्ष वे बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् की कार्यकारिणी के सदस्य नियुक्त हुये। 1972 से 1977 तक वह भारत सरकार की केंद्रीय हिन्दी समिति के सदस्य बने रहे और वर्ष 1973 में इन्हें बेल्जियम की रॉयल अकादमी का सदस्य बनाया गया। 17 अगस्त 1982 को दिल्ली के एम्स में उनका निधन हुआ।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

स्वामी विवेकानंद जन्मदिन : 31 से अधिक बीमारियों के शिकार स्वामी का जीवन बना आदर्श

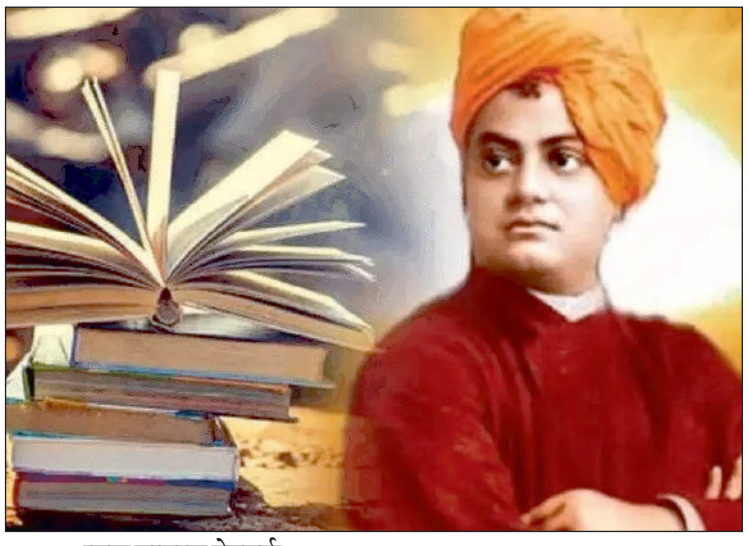

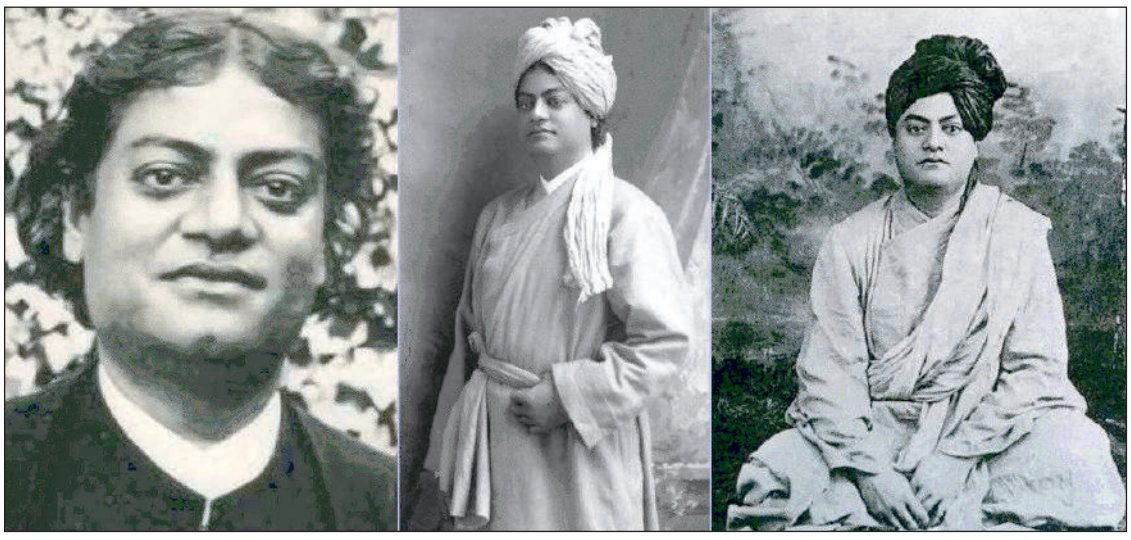

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 जनवरी , भारतीय पुनर्जागरण के पुरोधा स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में कोलकाता में हुआ। एक पारंपरिक परिवार में जन्में स्वामी विवेकानंद के पिता कलकत्ता उच्च न्यायाल में अधिवक्ता के पद पर कार्यरत थे, वहीं माता भुवनेश्वरी देवी एक गृहंणी थी। परिवार के धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण के प्रभाव से स्वामी विवेकानंद के मन में धर्म को लेकर काफी श्रद्धा भाव था। प्रत्येक वर्ष स्वामी जी की जन्म जयंत को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आपको शायद ही पता होगा कि, स्वामी विवेकानंद एक बार पढ़कर ही पूरी पुस्तक याद कर लिया करते थे। संस्कृत व्याकरण, रामायण और महाभारत के अध्याय उन्हें बचपन से याद थे। शुरुआत में वह अंग्रेजी भाषा से घृंणा करते थे, उनका मानना था कि इन्हीं लोगों ने हमारे देश पर कब्जा किया हुआ है। लेकिन बाद में उन्होंने ना केवल अंग्रेजी भाषा सीखी बल्कि इस पर महारथ भी हासिल कर ली। बचपन से ही उनमें नेतृत्व का गुण था, वह ना केवल किसी के कहने पर किसी की बात मान लिया करते थे बल्कि उसकी तार्किकता को भी परखते थे। सन्यासी बनने का विचार भी उनके अंदर बचपन से ही था।

बता दें स्वामी विवेकानंद जी ने महज 25 साल की उम्र में सासंसारिक मोह माया का त्याग कर सन्यासी धर्म अपना लिया था। इस दौरान 1881 में उनकी मुलाकात स्वामी रामकृष्ण परमहंस से भेंट हुई। इस दौरान रामकृष्ण परमहंस कलकत्ता में दक्षिणेश्वर काली मंदिर के पुजारी थे। परमहंस से भेंट के बाद स्वामी विवेकानंद के जीवन में कई परिवर्तन आए। शुरुआत में उन्होंने परमहंस की बात पर भी संशय किया, लेकिन उलझन के बाद विवेकानंद ने परमहंस को अपना गुरू बना लिया।

रामकृष्ण परमहंस से मुलाकात के बाद विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि, क्या आपने कभी भगवान को देखा, परमहंस ने जवाब दिया हां मैंने देखा है। मैं भगवान को उतना ही साफ देख रहा हूं, जितना कि तुम्हें देख सकता हूं, बस फर्क इतना है कि मैं उन्हें तुमसे ज्यादा गहराई से महसूस करता हूं। इस जवाब को सुनने के बाद स्वामी जी ने परमहंस को अपना गुरू बना लिया। विवेकानंद के मानवता में निहित ईश्वर की सेवा को देखते हुए परमहंस ने उन्हें अपना सबसे प्रिय बना लिया।

रामकृष्ण परमहंस ने दी अपनी उपाधि

रामकृष्ण ने अपने निधन से पहले नरेंद्र को अपने सभी शिष्यों का प्रमुख और अपना सबसे प्रिय शिष्य घोषित कर दिया। इसके बाद एक सन्यासी के रूप में उन्होंने बराहनगर मठ की स्थापना की और भारतीय मठ परंपरा का पालन करते हुए उन्होंने कई सालों तक भारतीय उपमहाद्वीप के अलग अलग क्षेत्रों का भ्रमण किया। सन्यासी के रूप में वह भगवा वस्त्र धारण करने लगे। उन्होंने पूरे देश को अपना घर और सभी लोगों को भाई बहन मान लिया था।

31 से अधिक बीमारियों से पीड़ित थे स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद ने महज 39 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। बांग्ला लेखक मणिशंकर मुखर्जी द मॉन्क ऐज मैन में बताया है कि, स्वामी जी 31 बीमारियों से पीड़ित थे, कम उम्र में मृत्यु का कारण उनकी बीमारियां थी। वह डायबिटीज, किडनी, लिवर अनिद्रा, मलेरिया, माइग्रेन और दिल संबंधी कई बीमारियों से ग्रस्त थे। यही कारण था कि स्वामी विवेकानंनद को अपनी मृत्यु का पहले ही अहसास हो गया था, वह अक्सर कहा करते थे कि 40 बरस से अधिक आयु तक वो जीवित नहीं रह सकेंगे। उनकी यह भविष्यवाणी सही निकली और स्वामी जी 4 जुलाई 1902 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

न दैवीय न भूकम्प आपदा, जोशीमठ है मानव जनित आपदा : जोत सिंह बिष्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 11 जनवरी। उत्तराखंड के वरिष्ठ राजनैतिज्ञ और आम आदमी पार्टी के राज्य समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने बताया हिमालय दुनिया की सबसे नई पर्वत शृंखला होने के साथ साथ उत्तराखंड राज्य का हिमालयी भूभाग भूकंप कि दृष्ठि से सेसमिक जॉन 4 व 5 मे स्थितः है, इसलिए आती संवेदन शील है। इसी हिमालयी क्षेत्र के चमोली जिले में पिछले कुछ सालों में लगभग 22 जलविधयुत परियोजनाएं स्वीकृत करके उन पर काम शुरू कराया गायथा। इन 22 परियोजनाओं में से लगभग 10 पर काम बंद है लेकिन 12 परियोजनाओं का काम अभी भी गतिमान है। बावजूद इसके कि 2013 में केदारनाथ आपदा जिसका असर कर्णप्रयाग तक आया था, और 2021 की रैनी की आपदा से सरकार ने सबक नहीं लिया। इन परियोजनाओं का निस्पक्ष भूसर्वेक्षण नहीं करवाया, अवैज्ञानिक तरीके से विकास के नाम पर पहाड़ों का दोहन जारी रहा।

केंद्र और राज्य की सरकारों के इस गैर जिम्मेदाराना आचरण का परिणाम आज हमको जोशीमठ जैसी त्रासदी के रूप में देखने को मिल रहा है। उन्होने कहा जोशीमठ की त्रासदी कोई दैवीय आपदा नहीं है, कोई भूकम्प से घटित आपदा नहीं है बल्कि साफ तौर पर मानव जनित आपदा है।एक विनाशकारी विकास की सोच ने जोशीमठ को इस समय भीषण आपदा की जद में डाल दिया है। 2003 में जब तपोवन-विष्णु गाड परियोजना का सर्वे शुरू हुआ तो स्थानीय नागरिकों ने इस परियोजना का विरोध शुरू कर दिया था। लेकिन सरकार ने स्थानीय नागरिकों की बात को दरकिनार करके परियोजना का काम शुरू करवाया। स्थानीय नागरिकों ने श्री अतुल सती के नेतृत्व में जोशीमठ संघर्ष समिति का गठन करके 2003 से आज तक परियोजना के दुष्परिणामों के खिलाफ लगातार संघर्षरत हैं। 2010 में समिति के साथ तत्कालीन ऊर्जा मंत्री भारत सरकार सुशील कुमार शिंदे के साथ एक

समझौता हुआ, जिसको लागू नहीं किया गया। अगर लागू होता तो आज जोशीमठ शहर के सभी भवनों का उचित मुआवजा लोगों को बीमा कंपनी से मिल जाता और लोग स्वयं अपना घर खाली करके नई जगह पर अपना घर बनाते।

जोशीमठ केवल कुछ परिवारों का आशियाना भर नहीं है। जोशीमठ जिसका 1500 साल का इतिहास है, जिसको आदि शंकराचार्य ने बसाया, इस का पौराणिक महत्व है, धार्मिक महत्व है क्यों कि यह स्थान बद्रीनाथ धाम का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है और भगवान बद्री विशाल कि गद्दी की पूजा भी शीतकाल में पौराणिक नरसिंघ मंदिर में होती है। जोशीमठ का सामरिक महत्व है, पर्यटन की दृष्टि से महत्व है। यहाँ पर ब्लॉक, तहसील, स्वास्थ्य, शिक्षा का मुख्यालय है। वही जोशीमठ आज केंद्र और राज्य सरकारों की गलत नीति की भेंट चढ़ रहा है। सरकार इसको दैवी आपदा मानकर काम कर रही है, जबकि प्रभावित इसको बाई पास टनल के निर्माण के कारण आई आपदा कह रही है। आम आदमी पार्टी की स्थानीय इकाई ने दिनांक 8 जनवरी को तथा मैंने पुनः दिनांक 10 जनवरी को जोशीमठ जाकर पूरे शहर का मौका मुआइना किया। शहर में जिस तरह की दरारें पड़ी है, हर दिन नई दरारें पड़ रही हैं, हर दिन चौड़ी और गहरी हो रही हैं, वह साफ संकेत है कि जोशीमठ में रहने वाले लोगों को नई जगह पर विस्थापित करना ही पड़ेगा। हमने जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के आन्दोलन स्थल पर जाकर जोशीमठ को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करके उनकी समस्यों को जानने के बाद उन के आंदोलन को समर्थन दिया। हमारे प्रतिनिधि मंडल ने सरकार द्वारा किए जा रहे राहत बचाव आभियान की जानकारी प्राप्त की। राज्य सरकार द्वारा सोशल मीडिया व न्यूज चैनलों के माध्यम से जो बड़े बड़े दावे किए जा रहें है लेकिन धरतालीय हकीकत इन दावों से परे है। सरकार ने बिना कोई प्लानिंग किए ही स्थानीय लोगों को घरों को खाली करने के आदेश दिए जिससे लोगों में भय व्याप्त है, बिना किसी फौरी राशि के गरीब आमजन आखिर जाए तो जाए। हमारे प्रतिनिधि मंडल को ऐसे परिवार भी मिले जिसमें पता चला कि कई ग्रामीणों को रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं दिया गया और उन्हें घर खाली करने पर जबरन मजबूर किया गया। वहीं बिना किसी सूचना के कल होटल व्यसायियों के होटल तोड़ने पर भी सरकारी तंत्र आमादा था। सरकार अमानवीय तरीके से जोशीमठ में मानव अधिकारों का हनन कर रही है। जिसे आम आदमी पार्टी उत्तराखंड कतई भी बर्दास्त नही करेगी।

फ़िल्म अभिनेता गोविन्दा ने यूएफ़डीसी के सीइओ बंशीधर तिवारी से भेंट की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ फ़िल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक डॉ नितिन उपाध्याय भी उपस्थित

देहरादून, 11 जनवरी। अभिनेता गोविंदा अपनी नई फिल्म की शूटिंग लोकेशन की रेकी के सिलसिले में आजकल देहरादून आए हुए हैं । उन्होंने बताया कि उन्हें देवभूमि उत्तराखंड से प्रेम है और यहां की आध्यात्मिक सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता फिल्म निर्माताओं के लिए वरदान की तरह है । उन्होंने बताया कि वह मई-जून से अपनी नई फिल्म उत्तराखंड में शुरू करने की योजना बना रहे हैं । बंशीधर तिवारी ने गोविंदा का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार अपनी फिल्म नीति के माध्यम से राज्य में फिल्म निर्माण के लिए अच्छा माहौल बनाने का प्रयास कर रही है । उन्होंने कहा कि नई फिल्म नीति में फिल्म निर्माताओं को दी जाने वाली सुविधाओं और सब्सिडी को और अधिक तार्किक और सुगम बनाया जा रहा है । नई फिल्म नीति में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को भी सम्मिलित किया जा रहा है । श्री तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का उद्देश्य है कि उत्तराखंड में फिल्म निर्माण एक उद्योग की तरह से अपनी जड़े जमाये जिससे यहां के युवाओं को फ़िल्म निर्माण से जुड़े रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो । इस दिशा में आवश्यक नीति गत प्रावधान किए जा रहे हैं। तिवारी ने गोविंदा को राज्य की विभिन्न शूटिंग लोकेशंस और पर्यटन स्थलों के बारे में भी अवगत कराया।

उत्तराखण्ड फ़िल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक डॉ नितिन उपाध्याय ने बताया कि उत्तराखंड विकास परिषद द्वारा उत्तराखंड की लोकेशन डायरेक्टरी बनायी जा रही है और कलाकारों तथा फिल्म से जुड़े अन्य मानव संसाधन की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है । क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर गोविन्दा को उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की भेंट भी दी गई।